



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 89]
No. 89]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 30, 1987/वैशाख 10, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 30, 1987/VAISAKHA 10, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 173 आईटीसी (पी एन)/85—88

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1987

विषय:—अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए आयात-निर्यात नीति।

फा. सं. 12/2/87-ई.पी.सी.:—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 1-आईटीसी (पी.एन.)/85—88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अंतर्गत प्रकाशित अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे:—

| क्रम | आयात-निर्यात नीति | संदर्भ | संशोधन |
|------|----------------------|-----------------------------|--|
| | सं. 1985—88 (खण्ड-1) | | |
| | की पृष्ठ संख्या | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | 332 | परिशिष्ट-22 का अनुबन्ध-3 | वर्तमान पैर 12—26 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किये जाएंगे:— “12. निर्यातक का परिचय भारतीय स्टेट बैंक की मनोनीत शाखा के उसके ऋणदाता द्वारा कराया जाएगा और भारतीय रिजर्व |

1

2

3

4

बैंक कोड सं. प्रमाण पत्र साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह आरम्भिक स्तर पर एक समय की आवश्यकता होगी। पात्र निर्यातक अन्य बातों के साथ-साथ निर्धारित प्रपत्र में निर्यात किए जाने वाली मर्चों में सोने की मृदुता और भार को निदिष्ट करते हुए आवेदन करेंगे और उसके साथ यह भी बचन देंगे कि निर्धारित न्यूनतम मूल्य संयोजन प्राप्त किया जाएगा। आवेदन पत्र उस स्थान पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक को तीन प्रतियों में भेजा जाएगा जिस स्थान पर संलग्नक-1 के अनुसार सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारी का कार्यालय स्थित है और उसके साथ उसके नाम में अपेक्षित मात्रा की खरीद के लिए निर्यात आदेश की प्रमाणित प्रति भी लगी होनी चाहिए।

3. आवेदन खरीदे जाने वाले सोने की मात्रा के लिए भारतीय स्टेट बैंक द्वारा निर्धारित सोने की काल्पनिक कीमत के कम से कम 20% के बराबर की धनराशि पेशगी धनराशि के रूप में जमा करेगा। पेशगी के जरिए जमा की गई यह धनराशि निर्यातक को लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए रिहाई आदेश के मद्दे भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सोने की वास्तविक बिक्री के समय पर समंजित की जाएगी। भारतीय स्टेट बैंक अगले दो कारोबार के दिनों में सोना खरीदेगा और उसके बाद खरीदे गए सोने की मात्रा और डालर में वह मूल्य जिस पर खरीदा गया हो (उसके सोने की खरीद की तारीख को यू. एस. डॉलर की चालू टीटी बिक्री दर के बराबर रुपये को शामिल करते हुए) (यह मूल्य वह वास्तविक मूल्य होगा जिसपर सोना भारतीय स्टेट बैंक द्वारा सोना खरीदा गया है जिसमें अनुमित सेवा खर्च भी जुड़े हैं, परन्तु बिक्री कर को छोड़कर) का निदिष्ट करते हुए निर्यातक को प्रमाण पत्र भेजेगा और उसके बाद प्रमाण पत्र की प्रति के साथ आवेदन पत्र की दूसरी और तीसरी प्रतियां क्रमशः सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारी और सीमाशुल्क कार्यालय को भेजेगा। रिलीज आदेश द्वारा सोने की सुपुर्दगी या समंजन भारतीय स्टेट बैंक के पास सोने की बिक्री की तारीख से 45 दिनों के भीतर भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त किया जाना चाहिए उसकी असफलता में भारतीय स्टेट बैंक निर्यातक द्वारा जमा की गई 20% की पेशगी धनराशि को जब्त कर लेगा। पूर्णरूप से या प्रांशिक निर्यात करते की असफलता में पेशगी धनराशि की अनुपातिक जब्ती अपरिहार्य होगी।

13.1. दूसरी ओर निर्यातक उपर्युक्त पैरा 12 में निर्धारित दस्तावेजों और घोषणा के साथ उसके नाम में सोने की अपेक्षित मात्रा की खरीद के लिए भारतीय स्टेट बैंक को तीन प्रतियों में निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करेगा। आवेदन भारतीय स्टेट बैंक के पास चालू घरेलू कीमत पर सोने का मूल्य जमा करेगा। निर्यातक को इस घरेलू मूल्य का भुगतान करने पर पहले ही (एडवांस) में ही सोने की मारी मात्रा प्राप्त करने की अनुमति दी जाएगी। भारतीय स्टेट बैंक अगले दो व्यावसायिक कार्य दिनों के अन्दर स्वर्ण खरीदेगा और इसके बाद प्रगमन फेरे सं. 13 में यथा-

1

2

3

4

उल्लिखित एक प्रमाण-पत्र जारी करेगा। निर्यातक को साइसॉसिप प्राधिकारी से रिहाई आदेश प्राप्त करना होगा और भारतीय स्टेट बैंक से स्वर्ण खरीदने की तिथि से 45 दिनों के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक को प्रस्तुत करना होगा जो कि अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य पर खरीदे गए स्वर्ण का मूल्य और सेवा प्रसार आदि पर निर्यातक द्वारा अधिक भुगतान किए गए धन की वापसी करेगा।

13.2. निर्यातक को नकद भुगतान पर तत्कालीन लागू अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य पर पेशगी में भारतीय स्टेट बैंक से स्वर्ण की अपेक्षित मात्रा प्राप्त करने के लिए भी अनुमति किया जाए बशर्ते कि निर्यातक क्रय वाले दिन लागू अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य और बरेल मूल्य के बीच के अन्तर के समतुल्य और इसमें खरीदे जाने वाले स्वर्ण की मात्रा का अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य का 20 प्रतिशत जोड़कर एक बैंक गारंटी प्रस्तुत करता है। निर्यातक द्वारा भारतीय स्टेट बैंक से स्वर्ण की खरीद की तिथि से 45 दिनों के भीतर पूर्ण भुगतान आधिकारिक रूप से निर्यात करने में असफल होने पर बैंक समानुपातिक रूप से बैंक गारंटी जप्त कर लेगा। भारतीय स्टेट बैंक इस जप्ती के लिए प्राधिकृत होगा।

13.3. उपयुक्त परे 13.1 और 13.2 में उल्लिखित बातों के बावजूद भी निर्यात में असफल होने पर निर्यातक के विरुद्ध देय सीमा शुल्क की बसूली के साथ-साथ आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन कार्यवाही की जाएगी।

14. निर्यात के समय, निर्यातक उस मूल्य के सम्बन्ध में जिस पर भारतीय स्टेट बैंक ने उसके लिए स्वर्ण खरीदा था, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र और पोतलदान बिल के साथ सम्बंधित बीजक की तीन प्रतियां और इसके साथ-साथ पतन द्वारा यथा अपेक्षित ऐसे अन्य दस्तावेज सम्बंधित सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा। अन्य बातों के साथ-साथ, पोतलदान बिल में निर्यातित प्रत्येक मद्य में उपयोग किए गए स्वर्ण का भार और शुद्धता तथा इसका जहाज पर निशुल्क मूल्य के सम्बन्ध में निर्यातक की एक घोषणा देगा। जड़ित मद्यों के सम्बन्ध में, पोतलदान बिल में उपयुक्त स्वर्ण मात्रा के साथ-साथ, वितरण/भार/उनके विनिर्माण में उपयोग किए गए पत्थरों/हीरों/मोतियों का मूल्य और इसके साथ-साथ मिश्रित स्वर्ण के लिए उपयोग में लाई गई किसी अन्य बहुमूल्य धातु का भार/मूल्य अंकित किया जाना चाहिए। निर्यात के अनुमेय से पूर्व, सीमा-शुल्क प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ यह सुनिश्चय करेगा कि :—

- (1) क्या उक्त दस्तावेज में निर्यातक की घोषणा के अनुसार निर्यात के लिए प्रत्येक मद्य में उपयोग किए गए स्वर्ण की शुद्धता, भार के स्थापन के लिए आवश्यक और सही है और जोड़े गए निर्यातित न्यूनतम मूल्य की बसूली कर ली गई है; और
- (2) क्या यह सन्तुष्ट है कि निर्यातक द्वारा घोषित निर्यात मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम और विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अनुसार है।

1

2

3

4

15. निर्यात के लिए इस प्रकार के पास किए गए मर्दों में स्वर्ण का भार और शुद्धता की मात्रा का सत्यापन सीमा-शुल्क द्वारा किया जाएगा और इसका पंटांकन सम्बद्ध पोतलदान बिल पर होगा। सीमा-शुल्क प्राधिकारी सम्बंधित बीजक को भी सत्यापित करेगा और पोतलदान बिल की दो प्रतियाँ और सम्बंधित बीजक निर्यातक को वापस करेगा।

16. निर्यातक, बिना किसी विलम्ब के, निर्यात करने के पश्चात् और विदेशी मुद्रा में होने वाली बिक्री की वसूली के लिए इंतजार किये बिना ही, रिलीज आदेश जारी करने के लिए निर्धारित विधि में एक आवेदन पत्र लाइसेंसिंग प्राधिकारी को भेजेगा और इसके साथ सीमा-शुल्क द्वारा सत्यापित बीजक सीमा शुल्क द्वारा प्राधिकृत पोतलदान बिल और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उसके जारी किए गए मूल प्रमाण पत्र-संलग्न करेगा। रिलीज आदेश जारी करने के लिए आवेदन-पत्र के साथ निर्यातक को उसके द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित एक घोषणा पत्र यह दर्शाते हुए कि इस स्कीम के अंतर्गत किए गए निर्यातों के मद्दे पोतलदान की तिथि से दो महीनों की अवधि के बाद विदेशी मुद्रा की कोई भी वसूली बाकी नहीं है। लाइसेंसिंग प्राधिकारी दस्तावेजों की जांच-पड़ताल करने के पश्चात् कि लेन-देन में जोड़ा गया मूल्य निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम नहीं है, एक रिलीज आदेश जारी करेगा जिससे निर्यातक को निर्यातित मर्दों की शुद्ध स्वर्ण मात्रा की प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के लिए जिसमें जड़ित आभूषण के मामले में विनिर्माण प्रक्रिया में 3 प्रतिशत तक की मात्रा में स्वर्ण का ह्रास और हस्त-शिल्प के मामले में 20 प्रतिशत या यथा उपर्युक्त मशीन से बने हुए साधारण आभूषण या घरेलू मूल्य पर प्राप्त किए गए स्वर्ण के अंतर की वसूली के लिए या इस मामले में जिसमें उपर्युक्त पैरा 13.2 में दिए गए प्रावधान के अनुसार अन्तराष्ट्रीय मूल्य पर पहले से ही प्राप्त स्वर्ण, यदि आवेदन-पत्र अन्यथा रूप से ठीक हो।

17. रिलीज आदेश 0.999 शुद्धता वाले स्वर्ण में दर्शाया जाएगा और उस मात्रा के लिए जो कि सम्बद्ध पोतलदान बिल पर सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा यथा सत्यापित निर्यात के लिए पास किए गए मर्दों की स्वर्ण मात्रा की शुद्धता और भार के समतुल्य हो। अन्य दस्तावेजों के साथ-साथ, लाइसेंसिंग प्राधिकारी भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र की उस मूल्य के संबंध में जिस पर इसने निर्यातक के पक्ष में स्वर्ण खरीदा है, जांच पड़ताल करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि निर्यातक द्वारा लेन-देन में निर्धारित न्यूनतम जोड़ा गया मूल्य प्राप्त कर लिया गया है।

18. रिलीज आदेश में लिखी जाने वाली शुद्ध स्वर्ण की मात्रा की गणना करने के प्रयोजनार्थ लाइसेंसिंग प्राधिकारी निर्यातित मर्दों की स्वर्ण तत्वों के भार को गुणा करेगा जो कि सीमा-शुल्क

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|--|
| | | | <p>प्राधिकारियों द्वारा निम्न प्रकार से जो भी उपयुक्त हो प्रमाणित किया गया हो जिससे निर्यात अनुमति किया है :—</p> <p>(1) यदि घोषणा केरेट में दी गई है तो उनके केरेट्स को 24 से भाग दिया जाए; अथवा</p> <p>(2) उनकी शुद्धता, यदि घोषणा शुद्धता में है तो विनिर्माण प्रक्रिया में स्वर्ण हास के लिए जड़ित आभूषण के मामले में 3 प्रतिशत और हस्त शिल्पित अथवा मशीन से बने हुए सादे आभूषण के मामले में 2 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।</p> <p>(19) “मीनाकारी” मर्दों के मामले में इस स्कीम के अंतर्गत आयात प्रतिपूर्ति के उद्देश्य के लिए ऊपर की गई परिगणना के अनुसार शुद्ध सोने के भार में से 3 प्रतिशत घंटा दिया जाएगा।</p> <p>(20) लाइसेंसिंग प्राधिकारी उसके क्षेत्राधिकार के भीतर स्थित उस भारतीय रिजर्व बैंक को रिलीज आदेश की एक प्रशि पृष्ठांकित करेगा जो इस स्कीम के अधीन सोना रिलीज करने के लिए प्राधिकृत है।</p> <p>(21) इस स्कीम के अधीन जारी किया गया रिलीज आदेश अहस्तांतरणीय होगा। रिलीज आदेश धारक को बैंक से सोने की मुपुर्दगी या समंजन के लिए भारतीय स्टेट बैंक से सोने की खरीद की तारीख से 45 दिनों के भीतर अवश्य कर लेना चाहिए।</p> <p>(22) भारतीय स्टेट बैंक की निर्धारित शाखा, उसके द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र में यथा उल्लिखित मूल्य पर रिलीज आदेश धारक को सोना रिलीज करेगा और सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ऐसी अवधि के लिए और ऐसी दर पर पैरा 12 के तहत जमा की गई पेशगी राशि को घटा कर समतुल्य रुपए पर बैंक व्याज की बसूली करेगा। भारतीय स्टेट बैंक निर्यातकों को केवल 10 ग्राम के गुणकों में ही सोने की प्रतिपूर्ति करेगा। उसी निर्यातक द्वारा उसी तारीख को और भारतीय रिजर्व बैंक की उसी निर्धारित शाखा को प्रस्तुत किए गए रिलीज आदेश के भद्दे यदि कोई अप्रयुक्त शेष रह जाता है तो वह रिलीज आदेश धारक को उसकी भविष्य हकदारी के साथ उपलब्ध किया जाएगा। उसे भारतीय स्टेट बैंक इस आदेश का एक प्रमाण-पत्र देगा। जहां 0.999 की शुद्धता से कम शुद्धता का सोना रिलीज किया जाता है वहां भारतीय स्टेट बैंक आवश्यक समायोजन करने के लिए हकदार होगा परन्तु सम्बद्ध रिलीज आदेश की परिमाणान्तरक सीमा के भीतर ही।</p> <p>(23) उपर्युक्तानुसार धारक द्वारा भारतीय स्टेट बैंक को सोने की खरीद के समय भुगतान के भद्दे प्रत्येक रिहाई आदेश मूल रूप से अभ्यर्पित किया जाएगा।</p> <p>स्वर्ण नियंत्रण कानून को लागू करना</p> |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--------|---|---|---|
| | | | (24) इस स्कीम के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक से खरीदा गया स्वर्ण, स्वर्ण नियंत्रण कानून की सभी धाराओं की शर्त के अधीन होगा। भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं जिन पर सीना बंधा जाएगा |
| | | | (1) मुख्य प्रबन्धक, ओवरसीज ब्रांच, भारतीय स्टेट बैंक, बंबई। |
| | | | (2) मुख्य प्रबन्धक, ओवरसीज ब्रांच, भारतीय स्टेट बैंक, कलकत्ता। |
| | | | (3) मुख्य प्रबन्धक, ओवरसीज ब्रांच, भारतीय स्टेट बैंक, नार्थ बीच रोड, मद्रास। |
| | | | (4) मुख्य प्रबन्धक, ओवरसीज ब्रांच, भारतीय स्टेट बैंक, नई दिल्ली। |
| | | | (5) प्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, सोंगानेरी रोड, जयपुर। |
| 2. 333 | परिशिष्ट - 22 का अनुबन्ध - 3 | | वर्तमान पैरे 27, 28, तथा 29 को क्रमशः 26, 27 तथा 28 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा। |
| 3. 334 | परिशिष्ट - 22 का अनुबन्ध - 3 का अनुबन्ध - 1 | | "पैरा 11" के शब्दों और अंकों को "पैरा 12" के शब्दों और अंकों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। |

3. उपर्युक्त संशोधन लोक हित में किए गए हैं।

हस्ताक्षरित

राजीव लोखन मिश्र, मुख्य नियंत्रक आयात व निर्यात
मंजुला सुब्राह्मणियम, संयुक्त नियंत्रक, आयात व निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 173-ITC(PN)/85-88

New Delhi, the 30th April, 1987

Subject: Import and Export Policy for April, 1985—March, 1988.

F.No. 12/2/87-EPC.—Attention is invited to the Import & Export Policy for April, 1985—March, 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/85-88 dated the 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:

| Sl. No. | Page No. of Import & Export Policy, 1985-88 (Volume I) | Reference | Amendment |
|---------|--|-----------------------------|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | 332 | Annexure III to Appendix 22 | <p>The existing paras 12-26 shall be substituted by the following :</p> <p>"12. The exporter will be introduced by his/her bankers to the designated branch of State Bank of India and the Reserve Bank of India's Code No. Certificate will be produced as an evidence. This will be a one-time requirement, at the initial stage. The eligible exporter shall apply in the Prescribed form indicating, inter-alia, the purity and weight of gold in the items sought to be exported with an unequivocal commitment that the prescribed minimum value addition will be achieved. The application will be made in triplicate to the State Bank of India located at the place where the concerned licensing authority is situated as per Enclosure I, along with a certified copy of the export order for the purchase of the required quantity of gold on his behalf.</p> <p>13. The applicant will deposit, as earnest money, an amount at least equivalent to 20% of the notional price of gold fixed by the State Bank of India for the quantity of gold sought to be purchased. This amount by way of earnest money will be adjusted at the time of actual sale of gold by the State Bank of India against the Release Order issued by the Licensing Authority to the exporter. The State Bank of India will purchase gold within the next two business days and issue thereafter a certificate to the exporter, indicating the quantity of gold purchased and the price in dollars (including its rupee equivalent at the ruling TT Selling rate of US dollars on the date of purchase of gold) at which</p> |

(1)

(2)

(3)

(4)

purchased (this price shall be the actual price at which gold is purchased by the State Bank of India plus Service charge permitted but exclusive of sales tax) and simultaneously forward the duplicate and triplicate copies of the application along with a copy of the certificate to the concerned licensing authority and the Customs House respectively. Delivery or adjustment of gold by Release Order holder must be secured from State Bank of India within 45 days from the date of booking of gold with the State Bank of India, failing which the State Bank of India will forfeit the earnest money of 20% deposited by the exporter. Failure to effect export in full or in part will entail proportionate forfeiture of the earnest money.

13.1 Alternatively, the exporter shall apply in the prescribed form in triplicate to State Bank of India for purchase of the required quantity of gold on his behalf alongwith the documents and declaration prescribed in para 12 above. The applicant would deposit with State Bank of India the cost of gold at the prevailing domestic price. The exporter shall be allowed to obtain the entire quantity of gold in advance on payment of this domestic price. The State Bank of India will purchase gold within the next two business days and issue thereafter a certificate as mentioned in the preceding para No. 13. The exporter shall have to obtain the Release Order from the Licensing Authority and produce the same before the State Bank of India within 45 days from the date of purchase of gold from State Bank of India who would thereon refund the money paid by the exporter in excess over the price of gold purchased at international price plus service charge, etc.

13.2 The exporter may also be allowed the option to obtain the requisite quantity of gold from the State Bank of India in advance at the then prevailing international price on cash payment, provided the exporter submits a bank guarantee of an amount equal to the difference between the prevailing international price and the domestic price on the day of purchase plus 20% of the international price of the quantity of gold proposed to be purchased. For failure to effect the exports in full or in part within 45 days from the date of purchase of gold from State Bank of India, by the exporter, the Bank would forfeit the bank guarantee proportionately. The State Bank of India would be authorised to effect this forfeiture.

(1)

(2)

(3)

(4)

13.3 Notwithstanding anything mentioned in paras 13, 13.1 and 13.2 above, failure to effect export will entail action against the exporter under the Imports (Control) Order, 1955 in addition to the recovery of Customs duty payable.

14. At the time of export, the exporter shall present to the concerned Customs Authority, along with the shipping bill and the Certificate issued by the State Bank of India in regard to the price at which State Bank of India purchase gold for him, three copies of the connected invoice as well as such other documentation as may be required by Customs. The shipping bill should, inter-alia, contain the exporters' declaration about the weight and the purity of gold used in each item to be exported and the f.o.b. value thereof. In the case of studded items the shipping bill should show, in addition to the gold content as above, the description/weight/value of the stones/gems/pearls used in their manufacture as well as the weight/value of any other precious metal used for alloying the gold. Before allowing the export, the Customs authority will, inter-alia ;

(i) do the necessary checks to verify that the weight, purity of gold used in each item for export is as per the exporters' declaration in the said documents and the prescribed minimum value addition has been realised; and

(ii) satisfy itself that the export value declared by the exporter is in accordance with the Customs Act and the Foreign Exchange Regulations Act.

15. The weight and purity of gold content of the items so passed for export will be verified by Customs and certified on the relevant shipping bill. The customs Authorities will also attest the connected invoice and return two copies of the shipping bill and the connected invoice to the exporter.

16. The exporter shall without delay, after the exports have been made and without waiting for the realisation of the sale proceeds in foreign exchange, submit to the licensing authority an application, in the prescribed form and manner, for the issue of a Release Order, and attach thereto the Customs, attested invoice, the Customs authenticated shipping bill and the certificate of purchase issued to him by the State Bank of India in original along with the application for issue of a Release Order, the exporter should also furnish a declaration, duly signed by him, certifying that no realisation of foreign exchange against exports made under this scheme is

(1)

(2)

(3)

(4)

outstanding beyond a period of two months from the date of shipment. The Licensing authority will, after verifying the documents and that value addition in the transaction is not less than the prescribed minimum, issue a Release Order so as to enable the exporter to secure the replenishment of pure gold content of the items exported including the loss of gold in the manufacturing process to the extent of 3% in case of studded jewellery and 2% in case of hand crafted or machine-made plain jewellery as above or for refund of difference if the gold has been obtained at domestic price or for redemption of the bank guarantee in case gold has already been secured at international price in terms of the provision in para 13.2 above, if the application is otherwise in order.

17. The Release Order will be expressed in terms of gold of 0.999 fineness and for a quantity equivalent to the weight and purity of the gold content of the items passed for export as certified by the Customs authorities on the relevant shipping bill. The Licensing Authority will scrutinise, among other documents, the certificate issued by the State Bank of India regarding the price at which it purchased gold on behalf of the exporter and ensure that the prescribed minimum value addition is achieved by the exporter in the transaction.
18. For the purpose of calculating the quantity of pure gold to be set down in the Release Order the licensing authority will multiply the weight of the gold content of the exported items, as certified by the Customs authorities which allowed the export, by the following whichever is appropriate:
 - (i) their caratage divided by 24, if the declaration is in carats; or
 - (ii) their fineness, if the declaration is in fineness. An allowance for the loss of gold in the manufacturing process will be made at the rate of 3% in case of studded jewellery and 2% in case of hand crafted or machine made plain jewellery.
19. In the case of 'Meenakari' items; a deduction of 3% will be made in the weight of pure gold at calculated above, for the purpose of import replenishment under the scheme.
20. The Licensing Authority will endorse a copy of the Release Order to the State Bank of India branch located within the area of its jurisdiction which is authorised to release gold under the scheme.

| | | | |
|-----|-----|-----|-----|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----|-----|-----|-----|

21. The Release Order issued under the scheme shall not be transferable. Delivery or adjustment of gold by the Release Order holder must be secured from the Bank within 45 days from the date of purchase of gold from State Bank of India.
22. The designated branch of the State Bank of India will release gold to the Release Order holder at the price indicated in the certificate issued by it and will also recover interest on the rupee equivalent less the earnest money deposited vide para 12 at such rate and for such period as specified by the Government. Gold will be replenished to the exporter by the State Bank of India in multiples of 10 grammes only. Any balance left unserved against the Release Order presented by the same exporter and the same day and to the same designated branch of State Bank of India shall be available to the Release Order holder along with his future entitlement. The State Bank of India will grant him a certificate to that effect. Where gold of purity less than 0.999 fineness is released, the State Bank of India will be entitled to make necessary adjustment but within quantitative limit, of the connected Release Order.
23. Every Release Order shall be surrendered by the holder in original to the State Bank of India at the time of purchase of gold as above against proper acquittance. Applicability of Gold Control Law.
24. Gold bought from the State Bank of India under the scheme shall be subject to all provisions of the Gold Control Law.

Branches of the State Bank of India at which gold will be sold.

25. Gold would be released by the following Branches of the State Bank of India :
 - (i) The Chief Manager,
Overseas Branch,
State Bank of India,
Bombay.
 - (ii) The Chief Manager,
Overseas Branch,
State Bank of India,
Calcutta.
 - (iii) The Chief Manager,
Overseas Branch,
State Bank of India,
North Beach Road, Madras.
-

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----|-----|---|---|
| | | | (iv) The Chief Manager, Overseas Branch, State Bank of India, New Delhi. |
| | | | (v) The Manager, State Bank of India, Main Branch, Sanganiri Gate, Jaipur." |
| 2. | 333 | Annexure-III to Appendix-22 | The existing para 27, 28 and 29 shall be renumbered as 26, 27 and 28 respectively. |
| 3. | 334 | Enclosure I to Annexure-III to Appendix-22. | The words & figures "Para 11" shall be substituted by the words & figures "Para 12". |

3. The above amendments have been made in public interest.

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports
MANJULA SUBRAMANIAM, Jt. Chief Controller of
Imports & Exports.